

लातीनी वि. (अर.) लैटिन देश का पुं. लैटिन देश का निवासी स्त्री. लैटिन देश की भाषा।

लाथ पुं. (देश.) बहाना, हीला।

लाद स्त्री. (देश.) 1. सामान को किसी पशु आदि पर लादने की क्रिया या भाव, लदाई 2. पेट, तोंद 3. पेट की आंते मुहा. लाद निकलना- पेट का फूल कर आगे निकलना।

लादना स.क्रि. (देश.) 1. किसी आदमी, जानवर या किसी अन्य चीज पर बहुत सी वस्तुएँ ढेर या भार के रूप में रखना जैसे- तुमने मेजपर सामान लाद दिया 2. किसी पर उसकी इच्छा के विरुद्ध बहुत अधिक दायित्व या भार डालना 3. किसी को ऐसे कार्य का दायित्व सौंपना जो उसे प्रिय न हो।

लाद-फाँद स्त्री. (देश.) चीजें लादने और बाँधने की क्रिया या भाव।

लादिया पुं. (देश.) वह जो गाड़ी, पशु आदि पर बोझ लादकर एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाता है।

लादी स्त्री. (देश.) 1. पशु या किसी प्राणी पर लादा जाने वाला ज्यादा बोझ 2. कपड़ों की वह गठरी जो धोबी गद्दे पर लादता है 3. बहुत बड़ी गठरी।

लाधना स.क्रि. (तद्.) पाना, प्राप्त करना उदा. सो सुख सिव सनकादि न पावत जो सुख गोपिनि लाधौ-सूरदास।

लाधा वि. (देश.) 1. कठिनता से प्राप्त किया हुआ 2. अच्छा, बढ़िया।

लानंग पुं. (देश.) अंगूर का एक प्रकार जो कुमाऊँ और देहरादून में होता है, उससे अर्क निकालकर शराब बनाई जाती है।

लान पुं. (अं.) वह समतल घास का मैदान जिसकी घास हरी-भरी होती है। lawn

लान-टेनिस पुं. (अं.) छोटे मैदान में गेंद और रैकिट से खेला जाने वाला एक यूरोपीय खेल जिसका प्रचलन अब भारत में भी हो गया है।

लानत स्त्री. (अर.) 1. किसी के दूषित या निंदनीय आचरण या व्यवहार पर कही जाने वाली अपमानपूर्ण बातें, धिक्कार, फटकार मुहा.- लानत बरसना- अत्यधिक भर्त्सना होना।

लानती वि. (अर.) 1. सदा फटकार सुनने वाला 2. परम निंदनीय और घृणित या दुराचारी।

लाना स. क्रि. (देश.) 1. कहीं से किसी व्यक्ति या वस्तु को लेना और लेकर आना जैसे- बाजार से किताब लाए 2. सामने रखना, सामने ले आना, उपस्थित करना जैसे- चोर को न्यायालय में लाना 3. स्थापित करना, रोपना 4. उत्पन्न करना।

लाना-बंदी स्त्री. (तद्.+फा.) खेत की वह पैमाइश जो जोते जाने वाले हलों की संख्या के अनुरूप की जाती है।

लाने अव्य. (देश.) वास्ते, लिए।

लाप पुं. (तत्.) बोलना, कथन।

ला-पता वि. (अर.+देश.) 1. जिसका पता न हो, बे-ठिकाना, बेपता 2. पलायन किया हुआ, भागा हुआ, फ़रार 3. लुप्त, गुम, गायब 4. डाक में छोड़ा गया पत्र आदि जिस पर पता न लिखा हुआ है।

ला-परवाह वि. (अर.+फा.) 1. जिसे किसी बात की भी परवाह या चिंता न हो, निश्चिंत, बे-फिक्र 2. जो काम पर ठीक से ध्यान न देता हो, असावधान।

ला-परवाही स्त्री. (अर.+फा.) 1. लापरवाह होने की अवस्था या भाव, बेफिक्री 2. असावधानी, प्रमाद।

लापसी स्त्री. (देश.) लपसी, थोड़े घी में आटे को भूनकर बनाया गया एक पतला और मीठा पकवान जो हलुआ जैसा होता है।

लापिका स्त्री. (तत्.) एक तरह की पहली जिसके दो भेद अंतर्लापिका और बहिर्लापिका होते हैं।

लापी वि. (तत्.) 1. बोलने वाला 2. पश्चाताप करने वाला।